an>

Title: Need to provide special financial assistance to Uttarakhand in view of natural calamity.

मेजर जनरल भुवन चन्द्र खंडूड़ी एवीएसएम (सेवानिवृत्त) (गढ़वाल): माननीय अध्यक्ष महोदया, मेरे संसदीय क्षेत्र गढ़वाल में सभी पहाड़ी जिले हैं जिनकी परिस्थितियां प्राकृतिक रूप से जटिल हैं और जीवन-यापन के सीमित साधन हैं। ऐसे में लगभग हर साल प्राकृतिक आपदाओं के आने से स्थिति और भी प्रतिकूल हो गई है। अभी हाल ही में चमोली जिले के राट क्षेत्र में अतिवÂर्षा से अत्यधिक नुकसान हुआ है। वहां जानमाल की क्षति हुई है तथा कुछ परिवार बेघर भी हो गये हैं। मैंने स्वयं उस क्षेत्र का दौरा किया है और उनकी पीड़ा को समझा है। अत: आपके माध्यम से मेरा सरकार से निवेदन है कि इन सभी क्षेत्रों में जहां पर इस प्रकार की आपदा आई है, इसकी राहत के विशेÂष प्रबन्ध केन्द्र सरकार द्वारा किये जाएं। उक्त क्षेत्रों में जनजीवन को सामान्य स्थिति में लाने के लिए सरकार द्वारा आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए, विशेÂषकर सड़क, संचार, खाद्य-सुरक्षा, बेघरों के लिए आवास, शिक्षा एवं सुरक्षा के लिए केन्द्र सरकार से विशेÂष सहयोग वांछनीय है। मैं सरकार का ध्यान इस ओर भी आकृष्ट करना चाहता हूं कि उत्तराखंड के अंदर जल्दी सूचना आपदा के बारे में मिले, इस बारे में चर्चा हो रही है। दुर्भाग्य से वहां अभी इस प्रकार के यंत्र नहीं लगे हुए हैं। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि जो भी विलम्ब हो रहा है, उसको खत्म करके अर्ली वार्निंग इंफॉर्मेशन दी जाए।

दूसरे, चमोली और दूसरे जिलों में अत्यधिक वÂर्षा से बहुत ज्यादा नुकसान हुआ था और सरकार के माध्यम से यह आदेश दिया गया था कि जिन व्यापारी इत्यादि लोगों ने ऋण लिया है, उनके ऋण को माफ किया जाए और उसको पोस्टपोन किया जाए। सरकार के आदेश हो गये हैं, लेकिन दुर्भाग्य से वहां की प्रदेश की सरकार और वहां के बैंक उस पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि बैंक को सख्त आदेश दिया जाये और उस आदेश का पालन किया जाये। धन्यवाद

माननीय अध्यक्ष : श्री शरद त्रिपाठी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र और कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल को मेजर जनरल भुवन चन्द्र खंडूड़ी एवीएसएम (सेवानिवृत्त) द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।